हिंदी दिवस 2023

के अवसर पर

माननीय गृह मंत्री जी

का संदेश

राजभाषा विभाग

गृह मंत्रालय, भारत सरकार

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो!

आप सब को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत भाषिक विविधता का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम **'हिंदी'** है। हिंदी भाषा अपनी प्रवृत्ति से ही इतनी जनतांत्रिक रही है कि इसने भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ–साथ कई वैश्विक भाषाओं को यथोचित सम्मान देते हुए उनकी शब्दावलियों, पदों, वाक्य विन्यासों और वैयाकरणिक नियमों को आत्मसात किया है।

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकता के सूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया। अनेक भाषाओं और बोलियों में बँटे देश में ऐक्य भावना से पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इसीलिए, लोकमान्य तिलक हों, महात्मा गांधी हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाषचंद्र बोस हों, राजगोपालाचारी हों; हिंदी के शुरुआती पैरवीकारों में बहुसंख्यक उन प्रदेशों के लोग थे, जिनकी मातृभाषाएँ हिंदी नहीं थीं।

किसी भी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, **"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल।"** यानि कि, अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। राष्ट्र की पहचान इस बात से भी होती है कि उसने अपनी भाषा को किस सीमा तक मजबूत, व्यापक एवं समृद्ध बनाया है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय से वैश्विक मंचों तक यथोचित सम्मान मिला है। हमारी सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं।

अपनी भाषा में सुनी हुई अवांछनीय बातें भी बहुत बुरी नहीं लगती। कवि **विद्यापति** की शब्दावली में कहूँ तो **'देसिल बयना सब जन मिट्ठा'** यानि देशी भाषा सभी जनों को मीठी लगती है। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयत्नशील है कि शहद सामान मीठी भारतीय भाषाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अत्याधुनिक और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाया जा सके।

सरकार और जनता के बीच भारतीय भाषाओं में संवाद स्थापित कर जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी तौर पर लागू किया जा सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जन–जन तक उनकी ही भाषा में उनके हित की बात पहुँचाकर आदर्श लोकतंत्र के निर्माण का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। राजभाषा विभाग ने इसी उद्देश्य से राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से सहज बनाने की दिशा में काम करते हुए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **'कंठस्थ'** का निर्माण और विकास किया है। फिजी में संपन्न 'विश्व हिंदी सम्मेलन' में **'न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन'** के साथ इसके नए वर्जन (कंठस्थ 2.0) के मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण भी किया गया है।

राजभाषा विभाग की एक नई पहल **'हिंदी शब्द सिंधु'** शब्दकोश का निर्माण है। इस शब्दकोश में संविधान की 8वीं अनुसूची में अधिसूचित भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल कर इसे निरंतर समृद्ध किया जा रहा है। साथ ही, विभाग ने **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप भी तैयार किया है, जिसे अपनाकर विभिन्न भाषा–भाषी 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से अपनी–अपनी मातृभाषाओं से स्तरीय हिंदी निःशुल्क सीख सकते हैं।

भाषा परिवर्तन का सिद्धांत यह कहता है कि भाषा जटिलता से सरलता की ओर जाती है। मेरे विचार से हिंदी के सरल और सुस्पष्ट शब्दों को कार्यालयी कामकाज में प्रयोग में लाना चाहिए। टिप्पणी, पत्राचार, ई–मेल, विज्ञप्ति आदि के लिए आम बोलचाल के शब्दों व वाक्यों के प्रयोग से हिंदी के प्रयोग का चलन बढ़ेगा।

हमारे लिए हिंदी का प्रश्न सिर्फ एक भाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का विषय है। मुझे विश्वास है कि राजभाषा विभाग के उपरोक्त प्रयासों से सभी मातृभाषाओं को आत्मसात करते हुए लोकसम्मत भाषा हिंदी विज्ञानसम्मत व तकनीकसम्मत होकर संपन्न राजभाषा के रूप में स्थापित होगी।

पुनश्च, आप सब को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं।

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2023

(अमित शाह)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

संदेश

इस्पात मंत्री, भारत सरकार

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

भारत की अद्भुत विविधता में एकता की परंपरा को हिंदी भाषा ने ना केवल समृद्ध किया है बल्कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की तर्ज पर भारतीय स्थानीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं को अपने में समाहित करके, उनमें समन्वय स्थापित करके सभी भाषाओं को एक परिवार (कुटुम्ब) बना दिया है। आज हिंदी केवल आपसी सम्पर्क, संवाद, विचार, जीवन-व्यवहार और सरकारी कामकाज के दायरे तक सीमित नहीं है बल्कि यह राष्ट्रीय एकता, गौरव, अस्मिता और आत्मसम्मान का भी विषय है।

आज विश्व के विकसित अमेरिकी और यूरोपीय देश भी भारतीयकरण और हिंदीकरण के प्रभावों से अछूते नहीं हैं। हिंदी केवल भारत में जनसंपर्क की भाषा नहीं रही, वह आज अन्य यूरोपीय भाषाओं की तरह विश्व संपर्क की भाषा का दर्जा प्राप्त कर रही है। आज अर्थ, प्रौद्योगिकी, सूचना तकनीक, अनुसंधानों एवं वैज्ञानिक शोधों, अत्याधुनिक जटिल कार्य करने वाले कंप्यूटरों, कृत्रिम मेधा और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी की व्यापकता को देखा जा सकता है। साथ ही, आज हिंदी इन क्षेत्रों में असीम रोजगारों की संभावना पैदा कर रही है।

हिंदी भाषा को विश्व संपर्क की भाषा बनाने के प्रयासों में प्रत्येक भारतीय को देश के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी से प्रेरणा लेनी चाहिए कि चाहे वैश्विक मंच हो, संसद हो अथवा कोई अन्य मंच, वे हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में अपनी बात को बड़े गर्व और अभिमान से रखते हैं। उनके प्रयासों और प्रेरणा से इंजीनियरिंग और मेडिकल के पाठ्यक्रमों को अनेक भाषाओं में शुरू किया गया है।

विरासत का सम्मान भाषा के सम्मान के बिना अधूरा है। राजभाषा का सम्मान स्थानीय भाषाओं के महत्व और सम्मान के बिना अधूरा है। राजभाषा की समृद्धि की राह में हमारी गति से किसी अन्य भारतीय भाषा का नुकसान नहीं होना चाहिए। मुझे विश्वास है कि सभी के मिले-जुले प्रयासों से राजभाषा हिंदी को सम्पूर्ण गौरव प्राप्त होगा, अतः हम सबका दायित्व है कि हम इस दिशा में निष्ठा व गर्व से कार्यरत रहें।

जय हिंद, जय भारत!

उद्योग भवन, नई दिल्ली
दिनांक : 14 सितम्बर, 2023

(ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

इस्पात राज्य मंत्री
भारत सरकार

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं!

शिक्षा, देश तथा समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारी राष्ट्रीयता और संस्कृति के संवर्धन में मातृभाषा में प्राप्त शिक्षा एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है इसलिए आज भारत में इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक शोधों और मेडिकल की शिक्षा हिंदी में देने की पहल की जा रही है। हिंदी कई प्रशासनिक परीक्षाओं में ज्यादा से ज्यादा पसंद की जा रही है और विद्यार्थी बेहतर परिणाम भी पा रहे हैं। नई शिक्षा नीति के तहत मेडिकल, इंजीनियरिंग और विधि शिक्षा, हिंदी सहित अन्य भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

आज भारत सरकार द्वारा हिंदी भाषा को आधिकारिक राजभाषा के रूप में स्थापित करने और उसके प्रचार-प्रसार हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं ताकि हिंदी भाषा की उपयोगिता और इसका प्रभाव न केवल भारत में बल्कि विश्व में भी बढ़े। आज इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि विश्व के बहुत सारे देशों में, विश्व स्तरीय समृद्ध और सशक्त भाषा के रूप में हिंदी को सीखा और बोला जा रहा है, साथ ही, स्कूलों और विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा का ज्ञान दिया जा रहा है। यह भाषा व्यापार, अर्थ-जगत, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान की भाषा बनती जा रही है। आज विश्व भर में हिंदी को समझने, बोलने एवं जानने वालों की संख्या बढ़ने के कारण इंटरनेट, ई-मेल, ई-कॉमर्स, वेबसाइटों पर हिंदी बड़ी सहजता से उपलब्ध है। विश्व की बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ जैसे एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल आदि भी अपने व्यापार के विस्तार हेतु हिंदी का सहारा लेते हुए नजर आती हैं।

हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि अपने देश और अपनी भाषा के प्रति हमारा संवैधानिक और नैतिक कर्तव्य है कि हम अपनी भाषा का प्रचार-प्रसार व्यावहारिक तरीके से करें। हम अपने व्यक्तिगत, सामाजिक एवं कार्यालयीन जीवन में हिंदी भाषा को हृदयतल से अपनी भाषा माने ताकि यह 140 करोड़ लोगों की जन भाषा न होकर हमारा अभिमान बन जाए।

जय हिंद, जय भारत!

उद्योग भवन, नई दिल्ली
दिनांक : 14 सितम्बर, 2023

(फग्गन सिंह कुलस्ते)